लायन्स स्कूल, मिर्जापुर
अर्द्धवार्षिक परीक्षा – 2020–21

कक्षा– 10 (कोर्स –अ) समय – 3 घण्टे
विषय– हिन्दी कुल अंक – 80

सामान्य निर्देश :–
1. इस प्रश्न पत्र में दो खण्ड हैं – खण्ड –'अ' और खण्ड 'ब'
2. खण्ड – अ में बहुविकल्पी प्रश्न हैं एवं खण्ड 'ब' में वर्णनात्मक प्रश्न हैं ।
3. यथासंभव प्रश्नों के उत्तर क्रमवार दें ।

खण्ड–क (बहुविकल्पी प्रश्न)

प्रश्न.1– निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर छाँटकर लिखिए– 1x5=5

धर्मपालन करने के मार्ग में सबसे अधिक बाधा चित्त की चंचलता, उद्‌देश्य की अस्थिरता और मन की निर्बलता से पड़ती है। मनुष्य के कर्तव्य मार्ग में एक ओर तो आत्मा में भले और बुरे कर्मों का ज्ञान और दूसरी ओर आलस्य और स्वार्थपरता रहती है । बस, मनुष्य इन्हीं दोनों के बीच में पड़ा रहता है और अन्त में यदि उसका मन पक्का हुआ, तो वह आत्मा की आज्ञा मानकर अपना धर्म पालन करता है। देखो, इस संसार मे जितने बड़े–बड़े लोग हो गए है , जिन्होनें संसार का उपकार किया है और उसके लिए आदर और सत्कार पाया है सभी ने अपने कर्तव्य को श्रेष्ठ माना है; क्योंकि जितने कर्म उन्होनें किए , उन सबने अपने कर्तव्य पर ध्यान देकर न्याय का बर्ताव किया । जिन जातियों में यह गुण पाया जाता है, वे ही संसार में उन्नति करती हैं और संसार में उनका नाम आदर के साथ लिया जाता है। कर्तव्य –पालन और सभ्यता में घनिष्ठ सम्बन्ध है। संसार में जितने पाप हैं, झूठ इन सबसे बुरा है। झूठ की उत्पत्ति पाप, कुटिलता और कायरता के कारण होती है। झूठ बोलना और कई रूपों में दीख पड़ता है ; जैसे–चुप रहना, किसी बात को बढ़ाकर कहना, किसी बात को छिपाना, भेद बतलाना, झूठमूठ दूसरों के साथ हाँ में हाँ मिलाना, प्रतिज्ञा करके उसे पूरा न करना और सत्य को न बोलना इत्यादि । ऐसा करना धर्म के विरूद्ध है, ये सब बातें झूठ बोलने से किसी प्रकार कम नहीं हैं । फिर भी ऐसे लोग भी होते हैं, जो मुँह देखी बातें बनाया करते हैं, परन्तु करते वही काम हैं, जो उन्हें रूचता है। ऐसे लोग मन में समझते हैं कि कैसे सबको मूर्ख बनाकर हमने अपना काम कर लिया पर वास्तव में वे अपने को ही मूर्ख बनाते हैं और अंत में उनकी पोल खुल जाने पर समाज के लोग घृणा करते हैं और उनसे बात करना अपना अपमान समझते हैं ।

1– धर्म–पालन करने के मार्ग में सबसे अधिक बाधा किससे पड़ती है,? अनुपयुक्त विकल्प छाँटिए – 1

क. चित्त की चंचलता [ ] ख.उद्देश्य की अस्थिरता [ ]

ग. मन की निर्बलता [ ] घ. सामाजिक नियम [ ]

2– संसार में किस प्रकार के लोगों ने आदर और सत्कार पाया है? 1

क. साहसी [ ] ख. परोपकारी [ ]

ग. कर्तव्यपरायणता [ ] घ. ज्ञानी [ ]

3– कर्तव्य पालन का घनिष्ठ सम्बन्ध है– 1

क. सभ्यता से [ ] ख. संस्कृति से [ ]

ग. धर्म से [ ] घ. आस्था एवं विश्वास [ ]

4– झूठ की उत्पत्ति होती हैं– 1

क. पाप, कुटिलता और ईष्या से [ ]

ख. कायरता, पाप और चित्त की चंचलता [ ]

ग. पाप, कुटिलता और स्वार्थ से [ ]

घ. पाप कायरता और मन की निर्बलता से [ ]

5– झूठ बोलना किन–किन रूपों में दिखाई पड़ता है ? अनुपयुक्त विकल्प छाँटिए– 1

क. चुप रहना [ ]

ख. किसी बात को छिपाना [ ]

ग. किसी बात को बढ़ाकर कहना [ ]

घ. कोई बात धीरे से बताना [ ]

अथवा

आजकल विद्यार्थी वर्ग में अनुशासनहीनता बढ़ रही है। इसका कारण बदलता हुआ परिवेश तथा नवीन जीवन मूल्यों का अनुकरण है ं पाश्चात्य संस्कृति तथा दूरदर्शन के विदेशी चैनलों ने हमारे विद्यार्थी को भ्रमित करना आरम्भ कर दिया है । आज का विद्यार्थी परंपरागत भारतीय आदर्शों व अतीत के श्रेष्ठ मूल्यों को भूलता जा रहा है वह अपनी संस्कृति से उखड़ता जा रहा है। पाश्चात्य का अनुकरण उसे भ्रष्ट व अनुशासनहीन बना रहा है। यही कारण है कि आज के युवा वर्ग में अराजकता बढ़ रही है। संतोष मिट रहा है। सहनशीलता व धैर्य जैसे गुण क्षीण होते जा रहे है।

अनुशासनहीनता का दूसरा बड़ा कारण हमारी दूषित शिक्षा पद्धति है। शिक्षा एक व्यवसाय बन गई है, जिसमें पैसा कमाना मुख्य लक्ष्य है । अध्यापक अपने विद्यार्थी को जीविका का माध्यम समझने लगे है। अतः वे अपने विद्यार्थी को श्रेष्ठ बनाने का दायित्व नहीं निभाते। तीसरा मुख्य कारण हमारे कुछ भ्रष्ट नेता हैं , जो विद्यार्थियों का दुरूपयोग करते हैं । वे उसका मनमाने ढंग से उपयोग व शोषण करते हैं । वे अपने दल के प्रति विद्यार्थियों की रूचि को जैसे–तैसे मोड़ना चाहते हैं । इसके लिए वे उकसाने व भड़काने का काम करने से

भी नहीं चूकते। जब राजनेता ही तोड़ –फोड़ की राजनीति सिखाने लगें , तो विद्यार्थी का अनुशासनहीन हो जाना स्वाभाविक है ।

1– विद्यार्थी – वर्ग में बढ़ती अनुशासनहीनता का कारण है – 1

क. माता पिता अध्यापकों की ढिलाई [ ]

ख. विद्यालयों में शिक्षा का निम्न स्तर [ ]

ग. बदलते परिवेश और नवीन जीवन मूल्यों का अनुकरण [ ]

घ. राजनीतिज्ञों का प्रभाव [ ]

2– विद्यार्थी – वर्ग को पाश्चात्य का प्रभाव बना रहा है– 1

क. आधुनिक और शिक्षित [ ]

ख. अशिष्ट और अधर्मी [ ]

ग. भ्रष्ट और अनुशासनहीन [ ]

घ. हिंसक और अनुशासनहीन [ ]

3– अनुशासनहीनता का दूसरा कारण है – 1

क. दूषित शिक्षा पद्धति [ ]

ख. जनसंचार का माध्यम [ ]

ग. धन का बढ़ता प्रभाव [ ]

घ. कुसंगति [ ]

4– आज अध्यापक अपने विद्यार्थी को समझते हैं– 1

क. देश का भविष्य [ ]

ख. अपना अनुयायी [ ]

ग. आदर्शों से विमुख [ ]

घ. आजीविका का माध्यम [ ]

5– गद्यांश का उपयुक्त शीर्षक होगा – 1

क. विद्यार्थी वर्ग में बढ़ती अनुशासनहीनता [ ]

ख. राजनीति और विद्यार्थी [ ]

ग. विद्याथियों की अनुशासनहीनता [ ]

घ. विद्यार्थी और अनुशासनहीनता [ ]

प्रश्न.2– निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर सही विकल्प छाँटकर लिखिए– 1x5=5

रक्खो परस्पर मेल मन से छोड़कर अविवेकता
मन का मिलन ही मिलन है, होती उसी से एकता ।
तन मात्र के ही मेल से मन भला मिलता कहीं ,
है बाह्य बातों से कभी अन्तःकरण खिलता नहीं ।।

जड़ दीप तो देकर हमें आलोक जलता आप है ,
पर एक हममें दूसरे को दे रहा संताप है ।
क्या हम जड़ो से भी जगत में है गए बीते नहीं ?
हे भाइयों! इस भाँति तो तुम थे कभी जीते नहीं ।।
प्राचीन हों कि नवीन छोड़ो रूढ़ियाँ जो हों बुरी,
बनकर विवेकी तुम दिखाओ हंस जैसी चातुरी ।
प्राचीन बातें ही भली हैं, यह विचार अलीक है ,
जैसी अवस्था हो जहाँ वैसी व्यवस्था ठीक है ।।

1– आपस में मेल–जोल रखने के लिए आवश्यक है – 1

क. शत्रुता एवं ईष्या भाव का त्याग [ ]
ख. अविवेकता का त्याग [ ]
ग. साम्प्रदायिकता का त्याग [ ]
घ. अहंकार तथा क्रोध की भावना का त्याग [ ]

2– सच्चा मिलन होता है– 1

क. तन और मन का [ ]
ख. तन से तन का [ ]
ग. मन से मन का [ ]
घ. उपर्युक्त सभी [ ]

3– दीपक जलकर हमें प्रेरणा देता है – 1

क. हमें स्वयं जलकर दूसरों को प्रकाश देना चाहिए । [ ]
ख. हमें स्वयं कष्ट उठाकर दूसरों के कष्ट दूर करने चाहिए [ ]
ग. हमें दीपक की भाँति सबको प्रकाश देना चाहिए [ ]
घ. उपर्युक्त सभी [ ]

4– कवि के अनुसार हम विवेकी कैसे बन सकते हैं– 1

क. बुद्धि का सही उपयोग करके [ ]
ख. रूढ़ियों का त्याग करके [ ]
ग. अच्छी बातें अपनाकर [ ]
घ. इनमें से कोई भी नहीं [ ]

5– प्राचीन बातों के संबंध में कवि का क्या मानना है – 1

क. सभी प्राचीन बातें अच्छी नहीं होती । [ ]
ख. प्राचीन बातों में जो भी अनुपयुक्त हों, उन्हें छोड़ देना चाहिए । [ ]
ग. हमें परिस्थितियों के अनुसार अच्छी और बुरी बातों का निर्णय करना चाहिए । [ ]

घ. उपर्युक्त सभी [ ]

अथवा

फैली खेतों में दूर तलक
मखमल की कोमल हरियाली;
लिपटी जिससे रवि की किरणें
चाँदी की सी उजली जाली ।
तिनको के हरे –हरे तन पर
हिल हरित रूधिर है रहा झलक,
श्यामल भू–तल पर झुका हुआ
नभ का चिर निर्मल नील फलक
रोमांचित –सी लगती वसुधा
आई जौ–गेहूँ में बाली,
अरहर सनई की सोने की
किंकिणियाँ हैं शोभावली!
उड़ती भीनी तैलाक्त गंध,
फूली सरसों पीली–पीली,
लो, हरित धरा से झाँक रही
नीलम की कलि , तीसी नीली ।

1– 'चाँदी की–सी उजली जाली' पंक्ति में अलंकार है – 1

क. रूपक [ ]

ख. अनुप्रास [ ]

ग. उपमा [ ]

घ. उत्प्रेक्षा [ ]

2– तिनकों के शरीर पर झलक रहा है– 1

क. हरे रंग की आभा [ ]

ख. हरे रंग का रक्त [ ]

ग. ओस का जल [ ]

घ. उपर्युक्त सभी [ ]

3– 'फलक' शब्द का तात्पर्य है– 1

क. बादल [ ]

ख. किनारा [ ]

ग. आकाश [ ]

घ. कोना [ ]

4– पृथ्वी रोमांचित सी लग रही हैं क्योंकि– 1

क. चारों ओर हरियाली है [ ]

ख. चारो ओर फूल खिले हैं [ ]

ग. खेतों में पीली–पीली सरसों खड़ी है। [ ]

घ. गेहूँ और जौ में बालियाँ आ गई हैं । [ ]

5– हरी–भरी धरती से कौन झाँक रही है – 1

क. अलसी [ ]

ख. सरसो [ ]

ग. सनई [ ]

घ. अरहर के फूल [ ]

प्रश्न.3– निर्देशानुसार किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर चुनिए – 1x4=4

क. सरल वाक्य को चुनिए – 1

1. जो व्यक्ति मेहनती होते है वे अच्छे लगते हैं ।
2. वह व्यक्ति मेहनती है इसलिए अच्छा लगता है ।
3. मेहनती व्यक्ति अच्छे लगते हैं ।
4. इनमें से कोई नहीं ।

ख. संयुक्त वाक्य को चुनिए– 1

1. वह इस दौड़ में सफल नहीं होगा क्योंकि वह आलसी है ।
2. आलसी व्यक्ति दौड़ में सफल नहीं होगा ।
3. आलसी होने के कारण वह इस दौड़ में सफल नही होगा ।
4. चूंकि वह आलसी है इसलिए इस दौड़ में सफल नहीं होगा ।

ग. मिश्र वाक्य को चुनिए– 1

1. आजकल हम लोग मिट्टी के गोले बनाते है , उन्हें सुखा देते हैं ।
2. एक मोटरकार आई और उनकी दुकान के सामने आकर रूकी ।
3. स्त्री पुरूषों ने मिलकर आजादी के लिए लम्बा संघर्ष किया ।
4. मैं जल्दी से बाहर जाकर ओले देखने लगा ।

घ. 'मैंने सुना है, तुम अपनी कक्षा में प्रथम आए हो'– वाक्य का प्रकार है– 1

1. सरल वाक्य
2. संयुक्त वाक्य
3. मिश्र वाक्य
4. इनमें से कोई नहीं

ड़ जिस वाक्य में दो या अधिक उपवाक्य समान स्तर के होते हैं और किसी संयोजक से जुड़े होते हैं, उसे कहते हैं – 1

1. सरल वाक्य 2. मिश्रित वाक्य

3. संयुक्त वाक्य 4. साधारण वाक्य

प्रश्न.4– निर्देशानुसार किन्हीं चार प्रश्नों के सही विकल्प चुनकर लिखिए– 1x4=4

क. भाववाच्य में वक्ता का वाच्य बिंदु ..... से प्रकट होता है और इसमें .... क्रिया का प्रयोग होता है । 1

1. क्रिया, अकर्मक 2. कर्म, सकर्मक
3. क्रिया, सकर्मक 4. कर्म, सकर्मक

ख. निम्नलिखित वाक्यों में से कर्तृवाच्य वाला वाक्य छाँटकर लिखिए– 1

1. बच्चों के द्वारा खाना खाया गया ।
2. बच्चों से चला जा सकता है ।
3. बच्चों ने खाना खाया ।
4. बच्चों से भागा जा सकता है ।

ग. निम्नलिखित में से कर्मवाच्य वाला वाक्य छाँटकर लिखिए– 1

1. सिपाही ने भागते हुए चोर को पकड़ा ।
2. मीनाक्षी के द्वारा सुन्दर गीत गाया गया ।
3. हमें महान लोगों को सदा याद करना चाहिए ।
4. मेरा मित्र इस समस्या पर विचार कर समाधान निकाल ही लेगा ।

घ. निम्नलिखित वाक्यों में से भाववाच्य वाला वाक्य छाँटकर लिखिए – 1

1. माँ द्वारा बच्चे को सुला दिया ।
2. नौकरानी के द्वारा घर का सारा काम किया गया ।
3. मैं यह कठिन काम नहीं कर सकूँगा ।
4. लोगों से इस गरमी में चला नहीं जा सका ।

ड़ 'बच्चे द्वारा साँस नहीं ली जा रही थी'– वाच्य– भेद छाँटकर लिखिए– 1

1. कर्तृवाच्य 2. कर्मवाच्य
2. भाववाच्य 3. इनमें से सभी

प्रश्न.5– निर्देशानुसार दिए गए प्रश्नों में से सही विकल्प चुनकर लिखिए – 1x4=4

क. 'मैं पुस्तक पढ़ता हूँ'– में पुस्तक का पद परिचय है– 1

1. व्यक्तिवाचक संज्ञा, स्त्रीलिंग, एकवचन
2. गुणवाचक संज्ञा, पुल्लिंग, एकवचन
3. जातिवाचक संज्ञा, स्त्रीलिंग, एकवचन
4. भाववाचक संज्ञा, पुँल्लिंग, एकवचन

ख. 'मैने सोचा <u>थोड़ी</u> जमीन खरीद ली जाय' – वाक्य में 'थोड़ी' का पद परिचय है– 1

1. अनिश्चयवाचक सर्वनाम , स्त्रीलिंग, बहुवचन
2. अनिश्चयवाचक सर्वनाम, पुँल्लिंग, बहुवचन
3. निश्चयवाचक सर्वनाम , स्त्रीलिंग, एकवचन

4. निश्चयवाचक सर्वनाम, पुल्लिंग, एकवचन

ग. 'वह भावुक व्यक्ति है ' – वाक्य में 'भावुक' शब्द का पदपरिचय है– 1

1. विशेषण, रीतिवाचक, पुल्लिंग, एकवचन
2. विशेषण, गुणवाचक, पुल्लिंग, एकवचन
3. विशेषण , रीतिवाचक, स्त्रीलिंग, एकवचन
4. विशेषण, गुणवाचक, स्त्रीलिंग, बहुवचन

घ. शाबाश ! तुमने अच्छा काम किया'– 'शाबाश ' का पद परिचय है– 1

1. विस्मयादिबोधक , क्रोधबोधक अव्यय
2. विस्मयाबोधक , घृणाबोधक अव्यय
3. विस्मयाबोधक , दुःख बोधक अव्यय
4. विस्मयाबोधक , हर्षबोधक अव्यय

ड. 'तुम मन से कर्तव्य का पालन करो'–वाक्य में 'तुम' शब्द का पद परिचय है–1

1. सर्वनाम, अन्यपुरूष, पुल्लिंग, एकवचन
2. सर्वनाम, मध्यमपुरूष, पुल्लिंग , एकवचन
3. सर्वनाम, उत्तम पुरूष, पुल्लिंग, एकवचन
4. सर्वनाम, मध्यम पुरूष, पुल्लिंग, बहुवचन

प्रश्न.6– निर्देशानुसार पूछे गए प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के सही विकल्प चुनकर लिखिए– 1x4=4

क. गंदी , घृणित वस्तुओं को देखकर या उनका वर्णन सुनकर मन में जो रस पुष्ट होकर उत्पन्न होता है, वह है– 1

1. भयानक रस
2. रौद्र रस
3. करूण रस
4. वीभत्स रस

ख. श्रृंगार रस के भेद हैं – 1

1. दो
2. तीन
3. चार
4. एक

ग. ''सीरा पर गंगा इसै भुजानि में भुजंगा हसै ।
हास ही को दंगा भयो, नंगा के विवाह हमें ।।
– काव्यांश में रस है – 1

1. वीर रस
2. भयानक रस
3. रौद्र रस
4. हास रस

घ. साक्षी रहे संसार करता हूँ प्रतिज्ञा पार्थ मैं
पूरा करूँगा कार्य सब कथनानुसार यथार्थ मैं ।
जो एक बालक को कपट से मार हँसते हैं, अभी ,
वे शत्रु सत्वर शोक–सागर –मग्न दीखेंगें सभी ।
– काव्यांश में निहित रस है – 1

1. रौद्र रस
2. वीररस

3. भयानक रस 3. अद्भुत रस

ड़ 'सुत मूख देखि जसोदा फूली
हरषित देखि दूध की दँतिया, प्रेम मगन तन की सुधि भूली ।'
– काव्यांश में निहित रस है – 1

1. श्रृंगार रस 2. वात्सल्य रस
3. भक्ति रस 4. शान्त रस

प्रश्न.7– दिए गए गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सही विकल्पों का चयन कीजिए – 1x5=5

जीप कस्बा छोड़कर आगे बढ गई तब भी हालदार साहब इस मूर्ति के बारे में ही सोचते रहे और अंत में इस निष्कर्ष पर पहुँचे कि कुल मिलाकर कस्बे के नागरिकों का यह प्रयास सराहनीय ही कहा जाना चाहिए । महत्व मूर्ति के रंग – रूप या कद का नहीं उस भावना का है वरना तो देशभक्ति भी आजकल मजाक की चीज होती जा रही है ं

दूसरी बार जब हालदार साहब उधर से गुजरे तो उन्हें मूर्ति में कुछ अन्तर दिखाई दिया। ध्यान से देखा तो पाया कि चश्मा दूसरा है । पहले मोटे फ्रेम वाला चौकोर चश्मा था, अब तार के फ्रेम वाला गोल चश्मा है। हालदार साहब कौतुक और बढ़ा । वाह भई ! क्या आइडिया है । मूर्ति कपड़े नही बदल सकती लेकिन चश्मा तो बदल ही सकती है ।

तीसरी बार फिर नया चश्मा।

क. हालदार साहब के अनुसार नेताजी की मूर्ति लगाने के प्रयास का श्रेय हैं – 1

1. नगरपालिका को 2. सरकार को
3. कस्बे के नागरिकों को 4. जनसेवकों को

ख. हालदार साहब मूर्ति के रंग –रूपया कद से ज्यादा महत्वपूर्ण मानते हैं – 1

1. मूर्ति के स्थान को 2. मूर्ति के रख–रखाव को
3. नेतीजी के प्रति कैप्टन की भावना को
4. मूर्ति लगाने की भावना को

ग. आजकल देश भक्ति हो गई हैं – 1

1. मजाक की चीज़ 2. व्यवसाय की चीज़
3. उपेक्षा की चीज़ 4. स्वार्थ की चीज़

घ. दूसरी बार जब हालदार साहब कस्बे से गुजरे तो मूर्ति ने कैसा चश्मा पहना था –1

1. मोटा गोल चश्मा 2. तार के फ्रेम वाला गोल चश्मा
3. तार के फ्रेम वाला चौकोर चश्मा 4. दो रंग के फ्रेम वाला चश्मा

ड. हालदार साहब को क्या आइडिया अच्छा लगा – 1

1. मूर्ति कपड़े नहीं बदल सकती पर रंग तो बदल सकती है।
2. मूर्ति टोपी नहीं बदल सकती पर चश्मा तो बदल सकती है ।
3. मूर्ति टोपी नहीं बदल सकती पर रंग रूप तो बदल सकती है ।
4. मूर्ति कपड़े नहीं बदल सकती पर चश्मा तो बदल सकती है।

प्रश्न.8– दिए गए प्रश्नों के विकल्पों में से सही विकल्प छाँटकर लिखिए– 1x2=2

क. 'बालगोबिन भगत' पाठ के अनुसार अपने बेटे की मृत्यु के पश्चात बालगोबिन की बात में उनका कौन सा विश्वास बोल रहा था ? 1

1. आत्मा अजर अमर है ।
2. शरीर नश्वर है
3. मृत्यु के बाद आत्मा परमात्मा से जा मिलती है
4. उपर्युक्त सभी

ख. लखनवी अंदाज' पाठ के अनुसार जब लेखक सेकंड क्लास के डिब्बे में चढ़ा तब नवाब साहब बैठे थे – 1

1. सुविधा से पालथी मारे
2. दोनो पैर फैलाकर
3. खिड़की के सहारे
4. आधे लेटे हुए

प्रश्न.9– निम्नलिखित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर दिए गए प्रश्नों के विकल्पों में से सही विकल्प का चुनाव कीजिए – 1x5=5

उधौ, तुम हौ अति बड़भागी ।
अपरस रहत सनेह तगा तै, नाहिन मन अनुरागी ।
पुरइनि पात रहत जल भीतर, ता रस देह न दागी ।
ज्यों जल माहँ तेल की गागरि, बूँद न ताकौ लागी ।
प्रीति –नदी मैं पाउँ न बोर्‌यो , दृष्टि न रूप परागी ।
'सूरदास' अबला हम भोरी, गुर चाँटी ज्यौं पागी ।

क. गोपियों ने उद्‌धव को बड़भागी क्यों कहा गया है ? 1

1. क्योंकि वे श्रीकृष्ण के पास रहते हैं ।
2. क्योकि वे श्रीकृष्ण के कहने पर गोपियों के पास गए हैं ।
3. क्योंकि वे निर्गुण ब्रहम के ज्ञानी हैं ।
4. क्योंकि वे श्रीकृष्ण के प्रेम–रस के सानिध्य में रहते हुए भी प्रेम का अनुभव नहीं कर सके ।

ख. उद्‌धव के व्यवहार की तुलना किससे की गई है ? 1

1. कमल और तेल के भगौने से ।
2. कमल और तेल की गगरी से
3. कमल के पत्ते और तेल के भगौने से

4. कमल के पत्ते और तेल की गगरी से ।

ग. 'गुर चाँटी ज्यौं पागी' में 'गुड़' किसका प्रतीक है ? 1

1. कृष्ण का 2. गोपियों का 3. उद्धव का
4. मथुरा का

घ. 'गुर चाँटी ज्यौं पागी' में 'चींटी' किसका प्रतीक है ? 1

1. कृष्ण का 2. गोपियों का 3. उद्धव का
4. वृन्दावन का

ड. 'प्रीति–नदी मैं पाउँ न बोर्‌यौ' में किस अलंकार का प्रयोग हुआ है– 1

1. अनुप्रास 2. उपमा 3. रूपक
4. उत्प्रेक्षा

प्रश्न.10– निम्नलिखित प्रश्नों के विकल्पों में से सही विकल्प चुनिए– 1x2=2

क. 'उत्साह' कविता के आधार पर बताइए मन की कैसी स्थिति को 'उन्मन' कहा जाता है? 1

1. प्रसन्नता का दशा को 2. बेचैनी की दशा को
3. क्रोध की दशा को 4. निर्वेद की दशा को

ख. 'धाराधर' किसके लिए प्रयुक्त हुआ है ? 1

1. शिव के लिए 2. गंगा के लिए
3. बालक के लिए 4. बादल के लिए

खण्ड–'ब' (वर्णनात्मक प्रष्न)

प्रश्न.11– निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए– 2x4=8

क. बालगोबिन भगत की पुत्रवधू उन्हें अकेला क्यों नही छोड़ना चाहती थी ?

ख. 'मोह और प्रेम में अन्तर होता है? भगत के जीवन की किस घटना के आधार पर इस कथन को सत्य सिद्ध करेगें।

ग. लेखक के ज्ञानचक्षु कैसे खुले ? लखनवी अंदाज पाठ के आधार पर लिखिए ।

घ. 'वह लंगड़ा क्या जाएगा फौज में, पागल है पागल' कैप्टन के प्रति पान वाले की टिप्पणी पर आपकी क्या प्रतिक्रिया है ?

प्रश्न.12– निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए– 2x3=6

क. 'मरजादा न लही' के माध्यम से कौन सी मर्यादा न रहने की बात की जा रही है?

ख. सूर के पद 'हरि हैं राजनीति पढ़ि आए' का मूल स्वर व्यंग्य है–स्पष्ट कीजिए।

ग. 'पाट–पाट शोभा श्री पट नहीं रही है' का आशय स्पष्ट कीजिए ।

प्रश्न.13– निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए– 3x2=6

क. 'माता का अँचल' पाठ में माँ के प्रति अत्याधिक लगाव न होते हुए भी भोलानाथ

माँ के अँचल में ही प्रेम और शान्ति पाता है; इसका आप क्या कारण मानते हैं?

ख सरकारी तन्त्र मे जॉर्ज पंचम की नाक को लेकर जो चिन्ता या बदहवासी दिखाई देती है, वह उनकी किस मानसिकता को दर्शाती है? विस्तार से समझाइए ।

प्रश्न.14– निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर 80 से 100 शब्दों में अनुच्छेद लेखन कीजिए। 5

क. समय किसी के लिए नहीं रूकता

ख. मीठी बोली का महत्व

ग. परिश्रम का महत्व

प्रश्न.15– स्वास्थ्य विभाग के लापरवाह रवैये के कारण खाद्य पदार्थों में मिलावट की समस्या गम्भीर होती जा रही है । दिल्ली निवासी सजल की ओर से विभाग के निदेशक के नाम पत्र लिखिए । 5

अथवा

विद्यालय में दसवीं कक्षा की परीक्षा से पूर्व विभिन्न विषयों के अध्यापन की अच्छी व्यवस्था करने के लिए प्रधानाचार्य एवं अध्यापकों के प्रति कृतज्ञता ज्ञापन का एक पत्र लिखिए ।

प्रश्न.16– निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर 25–50 शब्दों के अर्न्तगत विज्ञापन लेखन कीजिए 5

'शिक्षा का अधिकार ' के अर्न्तगत ग्रामीण क्षेत्रों में इस अधिकार का लाभ उठाने के लिए एक विज्ञापन का आलेख लगभग 25 शब्दों में लिखिए ।

अथवा

संतरा देवी ने अपना नाम बदलकर सावित्री रख लिया है। एक विज्ञापन तैयार कीजिए ।

प्रश्न.17– निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर संदेश लेखन कीजिए– 5

मित्र के जन्मदिवस पर शुभकामना सन्देश लिखिए ।

अथवा

परिवार के किसी सदस्य के निधन पर शोक सन्देश लिखिए ।